नईदुनिया

भोपाल, 25 जुलाई 2026

खास-खबरें

आईआईएफएल फाइनेंस की गोल्ड लोन शाखाएं 3,000 के पार

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः आईआईएफएल फाइनेंस ने देशभर में अपनी समर्पित गोल्ड लोन शाखाओं की संख्या 3,000 के पार पहुंचने की घोषणा की है। कंपनी ने इसे वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। इस विस्तार से छोटे उद्यमियों, किसानों, व्यापारियों, कारीगरों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को औपचारिक व त्वरित ऋण सुविधा उपलब्ध होगी। कंपनी के अनुसार, गोल्ड लोन अब उसके सुरक्षित ऋण पोर्टफोलियो का सबसे बड़ा हिस्सा बन गया है। ग्राहकों को तेज सेवा देने के लिए एआई आधारित प्रक्रियाएं, डिजिटल ऑनबोर्डिंग और पेपरलेस लोन सिस्टम अपनाए गए हैं। आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन प्रमुख मयंक शर्मा ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य देश के हर क्षेत्र में पारदर्शी, सुलभ और जिम्मेदार ऋण सुविधा पहुंचाना है। कंपनी अब पार्टनर आधारित मॉडल के जरिए भी अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है।

देश की समृद्ध हथकरघा विरासत पर राजधानी में भव्य प्रदर्शनी 'वीव्स ऑफ इंडिया' का उद्घाटन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः राजधानी में जनपथ स्थित सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज़ एम्पोरियम (सीसीआईई) में 'वीव्स ऑफ इंडिया' महोत्सव का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय द्वारा आयोजित यह महोत्सव 24 जुलाई से 7 अगस्त तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। सात अगस्त को 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। कपड़ा मंत्रालय द्वारा जारी यह महोत्सव भारत की समृद्ध और विविध हथकरघा परंपराओं का विशेष प्रदर्शन है। इसमें देशभर की 116 विरासत हथकरघा बुनाई शैलियों (हेरिटेज वीव्स) के उत्कृष्ट हस्तनिर्मित वस्त्र प्रदर्शित किए गए हैं। यह आयोजन आगंतुकों को भारतीय बुनकरों की पीढ़ियों से संजोई गई अद्भुत कारीगरी, कलात्मक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने और समझने का अवसर प्रदान करता है। प्रदर्शनी में ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, मणिपुर, छत्तीसगढ़, बिहार, तेलंगाना, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और त्रिपुरा सहित अनेक राज्यों की प्रसिद्ध बुनाई परंपराओं को प्रदर्शित किया गया है। दर्शक यहां भारत की प्रतिष्ठित हथकरघा परंपराओं जैसे बनारसी, जामदानी, कांचीपुरम सिल्क, संबलपुरी इकट, पैठणी, कानी पश्मीना, बावन बूटी, कोटपाड़, इलकल, कासरगोड, हिमरू और रिशा जैसी विशिष्ट बुनाई शैलियों को देख सकेंगे। ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान और वस्त्र विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं।

महोत्सव का उद्देश्य प्रामाणिक हस्तनिर्मित हथकरघा उत्पादों के प्रति लोगों में जागरूकता और सराहना बढ़ाना भी है। साथ ही यह सतत , नैतिक और कारीगर-आधारित उत्पादन प्रणाली के महत्व को भी रेखांकित करता है।

निर्मला सीतारमण ने 167 आयकर दिवस पर विभाग के लिए सुझाए सात व्यापक सिद्धांत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के लिए निरंतर सुधार की संस्कृति अपनाने, जनता के बीच और मजबूत विश्वास जमाने, प्रौद्योगिकी के दायित्वपूर्ण उपयोग और स्वैच्छिक अनुपाल की व्यवस्था अधिक सुदृढ करने सहित आयकर विभाग के लिए सात व्यापक सिद्धांत सुझाए हैं। उन्होंने विभाग से आयकर रिफंड में और शीघ्रता लाने की जरूरत पर भी बल दिया है। श्रीमती सीतारमण ने शुक्रवार को 167 वें आयकर दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ' 'मैं विभाग को स्वैच्छिक कर अनुपालन को और मजबूत बनाने, करदाताओं के अनुभव को और सरल एवं सहज बनाने, क्रियान्वयन स्तर पर कर संबंधी निश्चितता को और सुदृढ़ करने, प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारीपूर्वक और प्रभावी उपयोग करने, संस्थागत उत्कृष्टता का निर्माण करने, जनता का विश्वास और अधिक मजबूत करने तथा निरंतर सुधार की संस्कृति अपनाने- इन सात व्यापक सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहूँगी। ' उन्होंने कहा कि ये सभी प्राथमिकताएँ एक-दूसरे को मजबूत करती हैं। इस अवसर पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल, बोर्ड अन्य सदस्य, वित्त मंत्रालय एवं आयकर विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। वित्त मंत्री ने कहा , ' 'आयकर विभाग की 167 वर्षों की इस यात्रा का उत्सव केवल उपलब्धियों पर विचार करने का अवसर नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का भी अवसर है।

लगातार पांचवें दिन टूटा शेयर बाजार, छह सप्ताह के निचले स्तर पर बंद

सेंसेक्स 332 अंक और निफ्टी 102 अंक लुढ़का, अधिकांश क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी दिन गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के दौरान भारी उतार-चढ़ाव के बीच प्रमुख सूचकांक लगभग छह सप्ताह के सबसे निचले स्तर पर बंद हुए। दिन के शुरुआती कारोबार में तेज बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिसके कारण बंबई शेयर बाजार का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स दोपहर से पहले 917 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि बाद के कारोबार में कुछ सुधार हुआ, लेकिन अंत में सेंसेक्स 331.62 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,059.77 अंक पर बंद हुआ। वहीं, राष्ट्रीय शेयर बाजार का निफ्टी-50 सूचकांक भी 102.15 अंक यानी 0.43 प्रतिशत टूटकर 23,767.45 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांक 12 जून के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचे।

प्रमुख सूचकांकों की तुलना में व्यापक बाजार पर दबाव अपेक्षाकृत कम रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

क्षेत्रवार प्रदर्शन की बात करें तो सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में मजबूती रही। इसके विपरीत वाहन, धातु, औषधि, रियल एस्टेट, स्वास्थ्य, तेल एवं गैस तथा सीमेंट क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा बजाज फाइनेंस के शेयर दो प्रतिशत से अधिक टूट गए। भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स और इंफोसिस में भी एक से दो प्रतिशत तक की गिरावट रही। इसके अलावा टाटा स्टील, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अडाणी पोर्ट्स, पावरग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और टाइटन के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए।

दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर दो प्रतिशत से अधिक चढ़े।

क्वांटस की ऐतिहासिक परीक्षण उड़ान ने रचा नया कीर्तिमान

फ्रांस से ऑस्ट्रेलिया तक 19 घंटे से अधिक की सीधी उड़ान, वर्ष 2027 से नियमित सेवाओं की तैयारी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः ऑस्ट्रेलिया की विमान सेवा कंपनी क्वांटस ने दुनिया की सबसे लंबी सीधी वाणिज्यिक उड़ानों की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने 'प्रोजेक्ट सनराइज' के तहत पहली परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की। विमान ने फ्रांस के टूलूज शहर से उड़ान भरकर शुक्रवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में सफलतापूर्वक उतरते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया।

यह परीक्षण उड़ान स्थानीय समयानुसार गुरुवार सुबह 7 बजकर 33 मिनट पर टूलूज से रवाना हुई थी। विमान ने लगभग 17 हजार किलोमीटर की दूरी 19 घंटे 13 मिनट में पूरी की। इस उड़ान का मुख्य उद्देश्य विशेष ईंधन प्रणाली की कार्यक्षमता और लंबी दूरी की परिचालन क्षमता का परीक्षण करना था।

परीक्षण उड़ान के दौरान विमान में एयरबस के चार पायलट और पांच परीक्षण अभियंता सवार थे। विमान में सामान्य मॉडल की तुलना में 20 हजार लीटर क्षमता का अतिरिक्त पिछला केंद्रीय ईंधन टैंक लगाया गया है, जिससे यह लगातार 22 घंटे तक उड़ान

भरने में सक्षम है। परीक्षण पूरा होने के बाद यह विमान मेलबर्न से वापस टूलूज स्थित एयरबस मुख्यालय लौटेगा, जहां वापसी उड़ान में क्वांटस के दो पायलट और एयरबस का परीक्षण दल मौजूद रहेगा।

क्वांटस ने वर्ष 2017 में 'प्रोजेक्ट सनराइज' की घोषणा की थी। इसके बाद वर्ष 2022 में कंपनी ने विशेष रूप से तैयार किए गए 12 विमानों का आदेश दिया। पहले विमान की आपूर्ति इसी वर्ष प्रस्तावित थी, लेकिन अब यह अप्रैल 2027 में मिलेगी। इसके बाद शेष 11 विमान अगले ढाई वर्षों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के अनुसार, इस परियोजना के अंतर्गत पहली नियमित सीधी उड़ान सिडनी से लंदन मार्ग पर अक्टूबर 2027 से शुरू होगी। इसके बाद वर्ष 2027 के अंतिम महीनों में सिडनी से न्यूयॉर्क के लिए भी सीधी उड़ानें आरंभ किए जाने की तैयारी है। प्रत्येक मार्ग पर प्रतिदिन नियमित सेवा संचालित करने के लिए कंपनी को तीन-तीन विमानों की आवश्यकता होगी। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल मेलबर्न से लंदन अथवा न्यूयॉर्क के लिए सीधी उड़ानों की कोई समयसीमा तय नहीं की गई है। कंपनी का कहना है कि पहले सिडनी मार्ग का सफल संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, उसके बाद अन्य मार्गों पर निर्णय लिया जाएगा। लंबी दूरी की इन उड़ानों में यात्रियों की सुविधा को विशेष महत्व दिया गया है। विमान में लगातार 12 घंटे तक नियंत्रित अंधेरा रखने, शरीर की जैविक घड़ी के अनुरूप प्रकाश व्यवस्था करने, हल्का तथा अधिक प्रोटीनयुक्त भोजन उपलब्ध कराने और व्यायाम के लिए विशेष स्वास्थ्य क्षेत्र विकसित करने जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। कंपनी का उद्देश्य लंबी यात्रा के दौरान थकान, निर्जलीकरण और समय क्षेत्र बदलने से होने वाली परेशानियों को कम करना है।

क्वांटस के अनुसार, 'प्रोजेक्ट सनराइज' का उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया को दुनिया के प्रमुख शहरों से बिना रुके सीधी हवाई सेवा के माध्यम से जोड़ना है, जिससे लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय यात्रा को अधिक सुविधाजनक और समय की दृष्टि से प्रभावी बनाया जा सके।

एयर इंडिया और सऊदिया के बीच रणनीतिक सहयोग का दायरा बढ़ा

भारत-सऊदी अरब के बीच हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया और सऊदी अरब की सरकारी विमान सेवा सऊदिया ने रणनीतिक सहयोग का विस्तार करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य भारत और सऊदी अरब के बीच हवाई संपर्क को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ रही यात्रा की मांग को बेहतर ढंग से पूरा करना है।

कंपनी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों विमान सेवा कंपनियों के बीच पहले से ही साझा उड़ान व्यवस्था लागू है। नए समझौते के माध्यम से इस सहयोग को और व्यापक बनाया जाएगा। समझौता ज्ञापन पर सऊदिया समूह के महानिदेशक एच.ई. इंजीनियर इब्राहिम अल-ओमर तथा एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने हस्ताक्षर किए।

समझौते के तहत मौजूदा साझा उड़ान व्यवस्था का विस्तार, दोनों विमान सेवा कंपनियों के नेटवर्क के बीच बेहतर संपर्क, एक ही टर्मिनल से परिचालन की संभावनाओं का आकलन तथा परिचालन और व्यावसायिक सहयोग के नए अवसरों की तलाश की जाएगी। इसके साथ ही दोनों विमान सेवा कंपनियों की ग्राहक निष्ठा योजनाओं के बीच सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा।

इस समझौते में एयर इंडिया की सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस तथा सऊदिया की सहयोगी कंपनी फ्लायअडील को भी शामिल किया गया है। इससे दोनों देशों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और अधिक विकल्प मिलने की उम्मीद है। एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के बीच विभिन्न क्षेत्रों में संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। इससे विमानन क्षेत्र के लिए लोगों, व्यापार और दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को और बेहतर ढंग से जोड़ने के महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

मुर्मु का रोमानियाई कंपनियों से भारत की विकास यात्रा में शामिल होने का आह्वान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रोमानियाई कंपनियों से भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा है कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रहे भारत की यात्रा में अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए अपार संभावनाएं हैं।

तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में रोमानिया पहुंची श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को बुखारेस्ट में रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान के साथ भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने दोनों देशों के सरकारी प्रतिनिधियों और उद्योग जगत के नेताओं से कहा कि रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन, उन्नत औद्योगिक क्षमताओं और यूरोपीय संघ के साथ मजबूत एकीकरण के कारण रोमानिया भारत का एक स्वाभाविक और मूल्यवान साझेदार है।

उन्होंने कहा कि व्यापार और आर्थिक सहयोग दोनों देशों की समकालीन साझेदारी का प्रमुख आधार हैं और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का शीघ्र और प्रभावी क्रियान्वयन व्यापार एकीकरण को गहरा करेगा, निवेश प्रवाह को मजबूत करेगा, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करेगा तथा एमएसएमई, स्टार्टअप और नवोन्मेषकों के लिए नये अवसर सृजित करेगा। भारत में निवेशकों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश सरलीकृत कर व्यवस्था और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी पहलों के माध्यम से पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल व्यावसायिक माहौल बना रहा है।

समूह ने कहा- विमानन क्षेत्र में प्रवेश का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः हवाई अड्डों के निर्माण और संचालन सहित विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले अडानी समूह ने शुक्रवार को विमान सेवा शुरू करने संबंधी मीडिया रिपोर्टों का स्पष्ट रूप से खंडन किया। समूह ने कहा कि विमान सेवा कंपनी शुरू करने का कोई भी प्रस्ताव उसके विचाराधीन नहीं है और इस संबंध में प्रकाशित सभी खबरें पूरी तरह निराधार तथा तथ्यहीन हैं।

समूह के एक प्रवक्ता द्वारा जारी बयान में कहा गया कि हाल के दिनों में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों और बाजार में चल रही अटकलों का कोई आधार नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज विमान सेवा कारोबार में प्रवेश करने की किसी भी योजना पर विचार नहीं कर रही है।

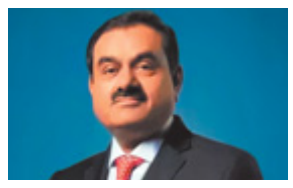

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की सभी रिपोर्टें तथ्यात्मक रूप से गलत हैं और इनका वास्तविक स्थिति से कोई संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान नियमों के अनुसार देश में कोई भी हवाई अड्डा संचालक किसी विमान सेवा कंपनी में दस प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी नहीं रख सकता। पिछले दिनों मीडिया में यह खबर आई थी कि सरकार विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य से नियमों में बदलाव पर विचार कर रही है। रिपोर्टों में कहा गया था कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ऐसे संशोधन पर विचार कर सकता है, जिससे हवाई अड्डा संचालकों को भी विमान सेवा शुरू करने की अनुमति मिल सके। इन अटकलों में अडानी समूह और जीएमआर का नाम भी प्रमुखता से लिया गया था, क्योंकि दोनों देश के बड़े हवाई अड्डा संचालकों में शामिल हैं। वर्तमान में यात्री संख्या के आधार पर विमानन बाजार में इंडिगो और एयर इंडिया का दबदबा है। दोनों कंपनियों की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक है, जबकि अकेले इंडिगो की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत से ज्यादा बताई जाती है। पिछले वर्ष दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो द्वारा बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द किए जाने के बाद विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा तेज हुई थी।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट, निवेशकों की बढ़ी नजर

चांदी 2,924 रुपये और सोना 1,848 रुपये सस्ता, दोनों धातुएं ऊंचे स्तर से काफी नीचे

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः देश में सोना और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,924 रुपये घटकर 2.19 लाख रुपये पर आ गया। वहीं, 24 कैरेट श्रेणी के दस ग्राम सोने की कीमत 1,848 रुपये की कमी के साथ 1.42 लाख रुपये रह गई। इससे एक दिन पहले चांदी 2.22 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और सोना 1.44 लाख रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर था।

इस वर्ष सोना और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला

है। 31 दिसंबर 2025 को दस ग्राम सोने का मूल्य 1.33 लाख रुपये था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद से अब तक सोने की कीमत में लगभग 34 हजार रुपये की गिरावट आ चुकी है।

इसी प्रकार चांदी की कीमत भी वर्ष की शुरुआत में 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम थी। 29 जनवरी को यह बढ़कर 3.86 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई थी। इसके बाद कीमतों में लगातार नरमी बनी रही और अब तक चांदी अपने सर्वोच्च स्तर से लगभग 1.67 लाख रुपये सस्ती हो चुकी है।

जिंस बाजार विशेषज्ञ अजय केडिया के अनुसार, सोना और चांदी दोनों की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुकी हैं।

स्पेशल खबर महंगे आवासीय निर्माणों के दम पर न्यूयॉर्क को पीछे छोड़ा, देश का दूसरा सबसे महंगा महानगर बना

अमेरिका में अरबपतियों की नई पसंद बना मियामी

मियामी, एजेंसीः अमेरिका का मियामी शहर अब केवल समुद्र तटों और रात्रिकालीन जीवन के लिए ही नहीं, बल्कि अरबपतियों और अत्याधुनिक आवासीय परियोजनाओं के नए केंद्र के रूप में भी तेजी से पहचान बना रहा है। इतिहास में पहली बार मियामी ने न्यूयॉर्क और लॉस एंजिल्स जैसे प्रमुख महानगरों को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका का दूसरा सबसे महंगा महानगर बनने का स्थान हासिल किया है। इससे पहले यह स्थान लंबे समय तक न्यूयॉर्क के पास था।

शहर में लगातार बन रही अत्याधुनिक और विलासितापूर्ण ऊंची इमारतों ने इसकी पहचान बदल दी है। यहां ऐसी आवासीय परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, जिनमें वाहनों के लिए विशेष लिफ्ट, ऊंची मंजिलों पर निजी तैराकी

कुंड, हेलीकॉप्टर उतरने की सुविधा तथा सोने और संगमरमर से सुसज्जित निर्माण शामिल हैं। हाल ही में 950 फुट ऊंची 'सिप्रियानी रेजिडेंस' शहर की सबसे ऊंची इमारत बनी, लेकिन वर्ष के अंत तक 1,049 फुट ऊंची 'वाल्डॉर्फ एस्टोरिया' इस स्थान पर पहुंचकर शहर की पहली 'सुपर टॉल' इमारत बन जाएगी।

मियामी में विलासितापूर्ण निर्माणों की इस दौड़ में विश्व के कई प्रसिद्ध विलासिता ब्रांड भी शामिल हो चुके हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कोरोना महामारी के बाद कम कर व्यवस्था और अपेक्षाकृत उदार नीतियों के कारण बड़ी संख्या में धनाढ्य उद्योगपति और निवेशकों ने फ्लोरिडा राज्य का रुख किया। शिकागो से सिटाडेल समूह के मुख्यालय के स्थानांतरण के बाद अनेक प्रमुख उद्योगपतियों और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की चर्चित हस्तियों ने भी यहां अपने आवास स्थापित किए।

इसी दौरान अनेक प्रसिद्ध खिलाड़ियों और प्रेरक वक्ताओं ने भी करोड़ों डॉलर मूल्य के आलीशान आवास खरीदे। वर्ष 2010 से 2022 के बीच फ्लोरिडा में करोड़पतियों की संख्या लगभग चार गुना बढ़ गई। इसी कारण वित्तीय जगत में मियामी को अब 'वॉल स्ट्रीट साउथ' के नाम से भी पहचाना जाने लगा है।

हालांकि इस तेज विकास के साथ कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक विलासितापूर्ण निर्माणों के कारण आय असमानता बढ़ रही है। दूसरी ओर, मियामी विश्वविद्यालय के वर्ष 2024 के अध्ययन के अनुसार समुद्र तटीय क्षेत्रों में बनी कई बहुमंजिला इमारतें प्रतिवर्ष लगभग तीन इंच तक धंस रही हैं। इसके बावजूद शहर में ऊंची इमारतों और महंगे आवासीय निर्माणों का विस्तार लगातार जारी है। वर्तमान में अमेरिका के सबसे महंगे महानगरों की सूची में सैन फ्रांसिस्को पहले, मियामी दूसरे और न्यूयॉर्क तीसरे स्थान पर है।

भारत - इज़राइल मुक्त व्यापार समझौता वार्ता का दूसरा दौर सम्पन्न, दोनों पक्ष परस्पर लाभदायक समझौते के लिए प्रतिबद्ध

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः भारत और इज़राइल के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का दूसरा दौर राजधानी में 20 से 23 जुलाई तक चला। दोनों पक्षों ने प्रस्तावित समझौते के सभी क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की और इसे एक संतुलित, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभदायक समझौते की दिशा में प्रगति बताया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने दोनों पक्षों ने समझौते के लिए नवंबर 2025 में समझौते की बातचीत के लिए शर्तों व संदर्भों पर हस्ताक्षर किये। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार, आर्थिक सहयोग और समग्र आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए चिह्नित क्षेत्रों पर बातचीत हेतु एक व्यवस्थित ढांचा प्रदान करना जारी रखे हुए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत और इज़राइल के बीच कुल व्यापारिक संबंध 3.93 अरब डॉलर तक पहुंच गए। दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में मजबूत पूरकता है, और प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक एकीकरण को और बढ़ाने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। दूसरे दौर की वार्ता के उद्घाटन सत्र में भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने वाले संतुलित, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर बातचीत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।